डीएचआर प्रायोजित एनआईसीपीआर-ईसीएचओ क्लिनिकल प्रयोगशाला प्रबंधन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम

17 अप्रैल - 8 मई 2025

साइटोपैथोलॉजी विभाग, आईसीएमआर-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा

और

पैथोलॉजी विभाग, हिंदू राव अस्पताल और उत्तरी दिल्ली नगर निगम मेडिकल कॉलेज, दिल्ली

द्वारा आयोजित

प्रिय सहकर्मी,

आईसीएमआर-एनआईसीपीआर का साइटोपैथोलॉजी विभाग, नॉर्थ डीएमसी मेडिकल कॉलेज और हिंदू राव अस्पताल, दिल्ली के पैथोलॉजी विभाग के सहयोग से 17 अप्रैल से 8 मई, 2025 तक डीएचआर द्वारा वित्तपोषित एनआईसीपीआर-ईसीएचओ ऑनलाइन कोर्स ऑन क्लिनिकल लेबोरेटरी मैनेजमेंट शुरू कर रहा है। नैदानिक प्रयोगशालाएँ साक्ष्य-आधारित चिकित्सा का अभिन्न अंग हैं। इनमें कई घटक शामिल हैं, जिनके लिए इष्टतम कामकाज के लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता होती है, जो प्रभावी ढंग से किए जाने पर रोगी की संतुष्टि को बढ़ाता है।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सामान्य प्रबंधन पहलुओं, परिचालन प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन और गुणवत्ता प्रबंधन पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी। नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन से संबंधित सिम्युलेटेड अभ्यासों द्वारा शिक्षाप्रद विचार-विमर्श को पूरक बनाया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को प्रयोगशाला प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों की व्यावहारिक समझ मिलेगी।

हम पाठ्यक्रम में आपकी सक्रिय भागीदारी की आशा करते हैं।

संरक्षक

डॉ. शालिनी सिंह

निदेशक एनआईसीपीआर

डॉ. रुचिका गुप्ता

कोर्स समन्वयक

वैज्ञानिक ई और प्रमुख

साइटोपैथोलॉजी विभाग, आईसीएमआर-एनआईसीपीआर

डॉ. सोमपाल सिंह

सह-कोर्स समन्वयक

विशेषज्ञ (एसएजी)

पैथोलॉजी विभाग, एचआरएच और एनडीएमसी

सुश्री शिवानी बंसल

कोर्स संयोजक

प्रोजेक्ट तकनीकी सहायता, साइटोपैथोलॉजी प्रभाग,

आईसीएमआर-एनआईसीपीआर

पंजीकरण हेतु विवरण

योग्यता: एमडी/डीएनबी/पीएचडी पैथोलॉजी/बायोकेमिस्ट्री/माइक्रोबायोलॉजी/लेबोरेटरी मेडिसिन पूरा किया हुआ (नोट: इस कोर्स के लिए कोई अन्य योग्यता योग्य नहीं है)।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार https://forms.gle/BjU6tD3S2uffeVcHA लिंक पर ऑनलाइन आवेदन करके अपनी सीट की पुष्टि कर सकते हैं।

कृपया आवेदन करने से पहले कोर्स कोऑर्डिनेटर को +91 9811756937 पर कॉल करें।

सीटों की संख्या: 200 (पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर)

आवेदन करने की अंतिम तिथि: 10 अप्रैल 2025 या सीटें भर जाने तक, जो भी पहले हो।

कोर्स पूरा होने पर ई-सर्टिफिकेट के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए कम से कम 80% सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य है।